

पाठ चार

अभिमानि गुलाल

काठिन शब्द

- | | | | |
|----|-------------|--|--|
| 1 | सुंदरता | | |
| 2 | प्रशंसा | | |
| 3 | गुलकंद | | |
| 4 | अभिमानि | | |
| 5 | वृद्धजन | | |
| 6 | लहू - लुहान | | |
| 7 | शर्मिंदा | | |
| 8 | क्षमा | | |
| 9 | पोषण | | |
| 10 | संरक्षण | | |
| 11 | योगदान | | |
| 12 | पत्तियाँ | | |
| 13 | संख्या | | |

पाठ-चार

आशुमानी गुलाब

शब्द

अर्थ

सुंदरता

खूबसूरी

प्रशंसा

तारीफ

गुलाब

गुलाब की बूंदों में
शक्कर मिलाकर बनाई
जाई एक औषधि

वृद्धजन

बूढ़े लोग

लहू-लहान

रून से रना हुआ

शर्मिदाई

शर्मसारणी

क्षमा

माफी

पोषण

पालन

संरक्षण

रक्षा करने की क्रिया

योगदान

सहयोग

आशुमानी

अपने को बड़ा समझने वाला

2. सही उत्तर चुनकर लिखो।

1. गुलाबाने अपनी प्रशंसा किससे की?

उत्तर: गौरी से।

2. मिट्टी की चादर तानकर कौन ज्यादातर सोता रहता है?

उत्तर: उसकी जड़े।

3. पत्तियों के चारों ओर का कटाव किसे पसंद था?

उत्तर: गौरी को।

4. कौन घमंड में सीधा खड़ा रहता है?

उत्तर: तना।

15/10/23